BA-(H)
मैथिली प्रतिष्ठा
पार्ट- [illegible]

प्रो० संजीत कुमार झा
(अतिथि शिक्षक)
मैथिली विभाग
M.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (LNMU)

मैथिली प्राचीनगीतावली (lecture-1):-

मैथिली प्राचीनगीतावली नामक ई संग्रह मैथिली साहित्यक जाहि कालक सामग्रीसँ निर्मित भेल अछि तकर समग्र रूप नहि प्रस्तुत करैत अछि। कारण विद्यापतिक समकालीन लो० का 1650 ई० धरि समग्र गीत कवीक रचना नहि आबि सकल अछि। परन्तु विभिन्न उपलब्ध प्राचीन गीतसंग्रह ओ रागतरंगिणी पोथी सभमे संकलित - उद्धृत गीत सभ एकत्र रूपहुँ प्रस्तुत नहि कयल जा सकल अछि। वर्तमानो संग्रहमे विष्णुपुरी हरपति, भानुकवि, रत्नधर, राजपण्डित मधुसूदन, चन्द्रकवि जयदेव, लक्ष्मीनाथ, जीवनाथ इत्यादि कविलोकनिक गीत नहि लेल गेल अछि। एहि लेल एकटा पोथर संग्रहक आयोजन अत्यन्त आवश्यक अछि। से भेल उपरे एकटा कालखंडक साहित्यक प्रवृत्ति, स्वरूप-भाव, भाषा, छन्द एवं अन्य उपलब्धिक परिचय भेटि सकैत अछि। प्रस्तुत संग्रहमे गीतसंख्या 231 धरि अछि किन्तु एकटा गीत शोभाधरनन्दक (पुनरावृत्ति भेलाक कारणे संख्या 230 रहित छैक)

एहि संग्रहमे कुल छथि ओ एकपरिशिष्टक

विभक्त कए देल गेल अछि।

प्रथम खण्ड मे, पूर्वमे श्रीनारायणपदावली नामसँ अभिहित ओ आब भाषागीतसंग्रह नामसँ विख्यात गीत-संग्रहक गीत सभ राखल गेल अछि। एकर कारण व्याख्या अपेक्षित। रागतरंगिणीक पश्चात ऐतिहासिक महत्वक एतेक कवि ओ गीत-संवलित संग्रह प्रथमे थिक। एहिमे संग्रहीत गीतक भाषाक परिशुद्धता, पाठक प्रामाणिकता, गीतक भावविषयक स्पष्टता आदि अद्वितीय अछि। चयनकर्ता संगीतज्ञ निश्चित विशेषज्ञ छलाह तेँ अपन गीतचयनमे रागकेँ आधार बनौने छलाह। वर्तमान संग्रहमे रागआधारसँ गीतकेँ राखब अनुपयोगी ओ अनपेक्षित होइत। कोनहु कविक काव्यक समग्र चित्र भेटब कठिन भ' जाइत। तेँ कविक अनुक्रमसँ गीत सभकेँ राखल गेल अछि। अर्थात एक कविक समस्त गीत एकहि ठाम कए देल गेल अछि। वर्तमान संग्रहोक उद्देश्यक खण्डमे स्पष्ट पूर्ति होइत। अतः दोसर खण्डक योजना कयल गेल। दोसर खण्डमे भाषागीतसंग्रहमे वा एहि प्राचीन गीतावलीक प्रथमखण्डमे जतेक कवि सभ सम्मिलित छथि तनिक अन्यहु रचनाक अवलोकनक आकांक्षा-स्पृहा आलोचक ओ पाठककेँ भ' सकैत छलनि। अतः दोसर खण्डमे अन्य समस्त प्रकाशित अप्रकाशित, ज्ञात-अनभिज्ञात स्रोतसँ प्रथम खण्डक कविक रचनाकेँ एकत्र कयल गेल अछि। कोनो

(3)

कारणें संसारक गीत दुइ ककरो मिला क' देल गेल होइ जा सकैछ।

जाहि गीतक संग पूर्वोपलब्धि विषयक कोनो सूचना नहि देल गेल अछि तकर वर्तमान संग्रहक नवोपलब्धि मानल जाय। प्रबन्धखण्डमे आशागीतसंग्रह (अथवा कीर्तनारायणपदावली) केर गीत अछि ओकर (प्रत्येक गीतक आगाँ मूल गीतक आरंभ सेहो द' गेल अछि।

क्रमशः

Samyt Kumar